केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय)
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीतसिंह मार्ग,
नई दिल्ली–110016.
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN (HQ)
18, INSTITUTIONAL AREA,
NEW DELHI- 110016
फोन न.26858570, फैक्स / FAX 26514179
वेबसाईट– www-kvsangathan.nic.in
ई–मेल–kvshindisection@gmail.com

फा.11025-16/2012/केविसं(मु.)/हि.

दिनांकः सितंबर,2012

अपील

प्रत्येक राष्ट्र के लिए उसकी भाषा, राष्ट्रीय झण्डा और मुद्रा उसके गौरव का प्रतीक होती है चूंकि भारत वर्ष एक बहुभाषी राष्ट्र है और वर्तमान में 22 भारतीय भाषाओं को अष्टम अनुसूची में सम्मिलित किया गया है। संविधान निर्माण के समय संघ की भाषा का प्रश्न सामने आया कि कोई एक ऐसी भाषा चुनी जाए जो सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करें, तब संविधान सभा ने उस समय देश में सर्वाधिक प्रयुक्त भाषा हिंदी को दिनांक 14 सितंबर 1949 संघ की राजभाषा के रूप से मान्यता प्रदान की और इसलिए हम प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते है। देश में 70% से अधिक जनसंख्या हिंदी को बोल-चाल की भाषा के रूप में काम में लेती है। साथ ही हिंदी आज भी विश्व की बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे स्थान पर है।

चूंकि केंद्रीय विद्यालय संगठन, भारत सरकार के अधीन कार्यरत संस्थान है इसलिए हमारा परम कर्तव्य बन जाता है कि हम भारत सरकार द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार एवं इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें। वर्तमान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग में अपनी भाषा में कार्य करना आसान होता जा रहा है। कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना बहुत सरल हो गया है। इसके अतिरिक्त, हमें अपने कार्य में सरल भाषा का प्रयोग कर इसे आगे बढ़ाना है। ऐसे शब्द जो आज हमारी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन गये हैं उनको उन्हीं के रूप में स्वीकार कर देवनागरी लिपि में लिखकर कार्य करना है। संविधान में यह भी कहा गया है कि "संघ की राजभाषा देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी होगी"। यह लिपि एक वैज्ञानिक ध्वनि आधारित लिपि है जिसमें हम जैसा उच्चारण करते है वैसा ही लिखते हैं इसलिए हिंदी में कार्य करना बहुत ही सरल है। यद्यपि केविसं के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में प्रगति हुई है परंतु अभी लक्ष्यों तक पहुंचना शेष है। अतः आग्रह है कि हिंदी को अनुवाद की भाषा न मानकर मूल रूप से हिंदी में कार्य करना शुरू करें।

आइए, हिंदी दिवस 14 सितंबर,2012 के अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम राजभाषा के संबंध में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत् प्रयास करें। साथ ही सभी कार्मिकों से मेरी अपील है कि अपने-अपने कार्यालय कार्य में हम हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाये तथा हिंदी के प्रचार प्रसार को गति प्रदान करें।

अविनाश दीक्षित

(अविनाश दीक्षित)
आयुक्त